ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 11-08-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-08-11 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-08-12	2026-08-13	2026-08-14	2026-08-15	2026-08-16
वर्षा (मिमी)	5.0	3.0	15.0	30.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	34.0	35.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	80	85	90	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	58	49	55	69	75
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	4	3	8	3
पवन दिशा (डिग्री)	105	110	125	130	145
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	4	7	8	8
चेतावनी	NA	NA	NA	NA	NA

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले हफ़्ते (4-10 अगस्त) 35.8 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.6 से 33.4°C और 25.3 से 27.5°C के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 79-92% और 67-89% के बीच रही। हवा पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पूर्व और पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशाओं से 5.7-9.1 किमी प्रति घंटा की गति से चली। पिछले हफ़्ते ज़्यादातर दिन मौसम गर्म और आंशिक रूप से बादल वाला रहा, साथ ही कुछ दिन हल्की बारिश भी हुई। आने वाले हफ़्ते में 5-30 मिमी तक हल्की से मध्यम बारिश और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0-35.0°C और 25.0-26.0°C के बीच रहने का अनुमान है। हवा के पूर्व-दक्षिण, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-पूर्व और दक्षिण-पूर्व-दक्षिण दिशाओं से 3-9 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की उम्मीद है। 11, 13, 14 और 15 अगस्त को कुछ जगहों पर बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने की संभावना को देखते हुए 'येलो वॉर्निंग' जारी की गई है, जबकि 12 अगस्त के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

तूफ़ान, बिजली गिरने और तेज़ हवाओं को लेकर येलो वॉर्निंग।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई खास असर नहीं पड़ेगा, लेकिन कीटनाशक और खाद का इस्तेमाल करते समय ध्यान रखना चाहिए कि इन्हें सुबह या शाम के समय ही डाला जाए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश की चेतावनी और फसल से जुड़ी सलाह पाने के लिए "मौसम" और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने से जुड़ी जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप

भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का अनुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्राइड यूज़र्स के लिए) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के अनुमान के मुताबिक, 07.08.2026 से 13.08.2026 के दौरान बारिश कम होने और अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है। एनडीवीआई वैल्यू से ज़िले में खेती की स्थिति ठीक-ठाक से अच्छी होने का पता चलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, भारी बारिश का कोई खास अनुमान नहीं है, इसलिए खेती-बाड़ी का काम सामान्य रूप से जारी रखा जा सकता है; कीटनाशक और खाद का इस्तेमाल सुबह या शाम के समय किया जा सकता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान के खेत में खरपतवार निकालने का काम 20-40 दिनों के अंतराल पर किया जा सकता है। खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए 'प्री-इमर्जेंस' (खरपतवार उगने से पहले इस्तेमाल होने वाले) हर्बिसाइड्स का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जैसे कि प्रीटिलाक्लोर 50% इसी (1.2-1.5 लीटर/हेक्टेयर), ब्यूटाक्लोर 50% इसी (3.0 लीटर/हेक्टेयर) या पेंडिमेथालिन 30% इसी (1-1.5 लीटर/हेक्टेयर)। 'प्री-इमर्जेंस' तरीका सबसे अच्छा है; इसके बेहतर नतीजों के लिए खेत में कम गहराई तक पानी भरा रहना चाहिए। खेत में नमी सही होने पर फसल में यूरिया का टॉप ड्रेसिंग भी किया जा सकता है।
गन्ना	ज़रूरत के हिसाब से फ़सल में सिंचाई करें। फ़सल में मिट्टी चढ़ाने का काम करें और लंबी फ़सल को नुकसान से बचाने के लिए उसे 5 फ़ीट की ऊँचाई पर बांध दें।
मक्का	मक्के की फसल में कम से कम दो बार निराई-गुड़ाई की ज़रूरत होती है; पहली बार 20 दिन के अंतराल पर और दूसरी बार 35 दिन के अंतराल पर। यूरिया का टॉप-ड्रेसिंग सुबह या शाम के समय तब करना चाहिए जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो।
काला चना	उड़द की फसल की बुआई की जानी चाहिए। बुआई के तुरंत बाद फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
मूँग	खरीफ़ मूंग की फ़सल की बुआई कर लेनी चाहिए। बुआई के तुरंत बाद फ़सल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
मूँगफली	मूंगफली की फसल में खरपतवार नियंत्रण के उपाय करने चाहिए और रसायनों का छिड़काव सुबह या शाम के समय करना चाहिए। बची हुई जिप्सम और पूरी मात्रा में बोरेक्स को 3 हफ़्ते पुरानी फसल में ऊपर से डालना (टॉप ड्रेसिंग) चाहिए; यह काम तब किया जा सकता है जब मिट्टी में नमी सही मात्रा में हो।
तिल	फ़सल में पर्याप्त नमी होने पर यूरिया का टॉप-ड्रेसिंग किया जा सकता है और साथ ही खरपतवार नियंत्रण के उपाय भी किए जाने चाहिए। अच्छे नतीजों के लिए ये सभी काम सुबह या शाम के समय किए जा सकते हैं। बाकी बचे तिल की बुआई की जा सकती है और बुआई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	पके हुए टमाटरों की नियमित रूप से तुड़ाई करें और उन्हें खरीद के लिए भेजें। फल देने वाले टमाटर के पौधों में बारिश के बाद बीमारी लगने की संभावना रहती है, इसलिए संक्रमित पौधों (जब पत्तियां सिकुड़ी हुई और उनमें गड्ढे दिखाई दें) को नष्ट कर दें। वहीं, वायरल बीमारियों और रस चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सुबह या शाम के समय रसायनों का छिड़काव करना चाहिए। खेत में नमी बनाए रखें।
गोभी	फूलगोभी की मिड-सीज़न किस्मों की रोपाई की जा सकती है और शुरुआती किस्मों में नियमित रूप से खरपतवार हटाते रहना चाहिए। रोपाई की गई फसल में नमी बनाए रखें।
कद्दू	कद्दू की पत्तियों पर अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर नियमित रूप से पत्तियों को पलटकर जाँच करनी चाहिए। यदि पत्तियों के निचले हिस्से में हल्के भूरे रंग की फफूंद दिखाई दे, तो 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से मैंकोज़ेब के घोल का छिड़काव करके इसे नियंत्रित किया जा सकता है। छिड़काव सुबह या शाम के समय करना चाहिए जब हवा की गति कम हो। ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करें। कद्दू पक जाने पर उसकी तुड़ाई करें और उसे अच्छी तरह से स्टोर करके रखें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लौकी	लौकी की पत्तियों पर अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर उनकी नियमित जांच करें। अगर पत्तियों के निचले हिस्से में हल्के भूरे रंग की फंगस दिखे, तो मैन्कोज़ेब के घोल (2.5 ग्राम प्रति लीटर) का छिड़काव करके इसे नियंत्रित करें। छिड़काव सुबह या शाम के समय करें जब हवा की गति कम हो। ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करें। पकी हुई लौकी को तोड़कर अच्छी तरह से स्टोर करें

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पानी से होने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए। इससे बचने के लिए, जमा किए गए पानी में 1:1000 के अनुपात में 'रेड ड्रग' जैसी एंटीबैक्टीरियल दवा का इस्तेमाल करें। ब्लीचिंग पाउडर या क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 'फुट-रॉट' (खुर सड़ने की बीमारी) से बचने के लिए, पशुओं के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोकर रखना चाहिए।
गाय	पानी से होने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए। इससे बचने के लिए, जमा किए गए पानी में 1:1000 के अनुपात में 'रेड ड्रग' जैसी एंटीबैक्टीरियल दवा का इस्तेमाल करें। ब्लीचिंग पाउडर या क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 'फुट-रॉट' (खुर सड़ने की बीमारी) से बचने के लिए, पशुओं के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोकर रखना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

खेती और रोज़मर्रा के कामों पर कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। हालाँकि, आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने से लोगों की ज़िंदगी पर असर पड़ सकता है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

तूफ़ान और बिजली कड़कने की स्थिति में लोगों को घर के अंदर रहने और जानवरों को शेड के नीचे रखने की सलाह दी जाती है, ताकि उन पर बिजली न गिरे।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details